

गोपाललाल vs गिरिज
 मु.नं. 163/22

आज्ञा विस्तृत रूप से

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही		विशेष टिप्पणी
	23/12/24	<p>पत्रावली पेज हुई व कुजाय उपो। प्रा.फा त.द. से सम्बंधित मूल वाद का निस्तारण हो जाने से इस प्रार्थना को धार्मिक चलाये जाने का कोई औचित्य नहीं होने से प्रार्थना पत्र अस्पष्ट निवेद्याज्ञा का इसी स्तर पर स्कारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम होकर दाखिल रहकर है।</p> <p>उपरोक्त प्रार्थना पत्र अस्पष्ट निवेद्याज्ञा का इसी स्तर पर स्कारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम होकर दाखिल रहकर है।</p>	